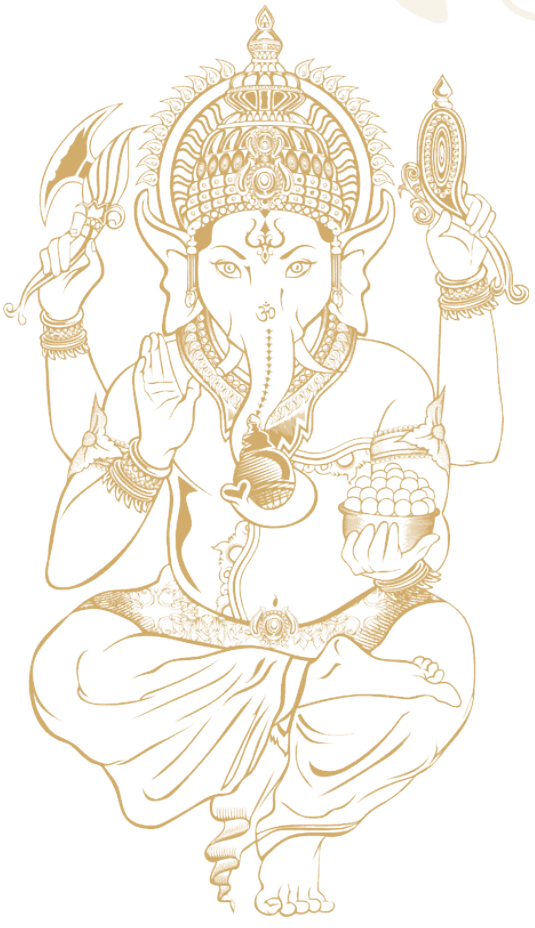

Mr.tinkesh

Ms.yashika

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120663604

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
27/11/1994	जन्म तिथि	30/05/1999
रविवार	दिन	रविवार
घंटे 14:15:00	जन्म समय	20:00:00 घंटे
घटी 18:36:24	जन्म समय(घटी)	35:47:07 घटी
India	देश	India
Ujjain	स्थान	Dewas
23:11:00 उत्तर	अक्षांश	22:59:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	76:03:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:25:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:48:26	सूर्योदय	05:40:40
17:39:59	सूर्यास्त	19:06:03
23:47:20	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:43

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह		राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 3वर्ष 5मा 19दि		10:23:23	मीन	लग्न		वृश्चि	27:39:37	बुध 14वर्ष 8मा 12दि	
राहु		11:05:03	वृश्चि	सूर्य		वृष	14:54:10	शुक्र	
17/05/2021		24:21:14	सिंह	चंद्र		वृश्चि	18:28:15	09/02/2021	
17/05/2039		01:44:54	सिंह	मंगल	व	तुला	00:44:45	09/02/2041	
राहु	28/01/2024	01:45:37	वृश्चि	बुध		वृष	20:50:58	शुक्र	11/06/2024
गुरु	23/06/2026	03:33:34	वृश्चि	गुरु		मेष	00:51:39	सूर्य	11/06/2025
शनि	29/04/2029	08:57:32	तुला	शुक्र		मिथु	29:46:49	चन्द्र	10/02/2027
बुध	16/11/2031	12:10:24	कुंभ	शनि		मेष	17:02:18	मंगल	11/04/2028
केतु	04/12/2032	20:51:45	तुला	राहु	व	कर्क	21:19:43	राहु	12/04/2031
शुक्र	04/12/2035	20:51:45	मेष	केतु	व	मक	21:19:43	गुरु	11/12/2033
सूर्य	28/10/2036	29:53:41	धनु	हर्ष	व	मक	22:55:04	शनि	09/02/2037
चन्द्र	29/04/2038	27:37:00	धनु	नेप	व	मक	10:22:32	बुध	11/12/2039
मंगल	17/05/2039	04:27:15	वृश्चि	प्लूटो	व	वृश्चि	15:17:49	केतु	09/02/2041

लग्न-चलित

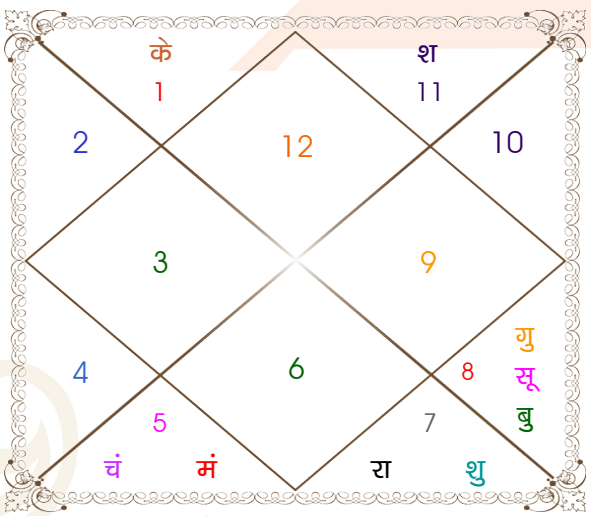

लग्न-चलित

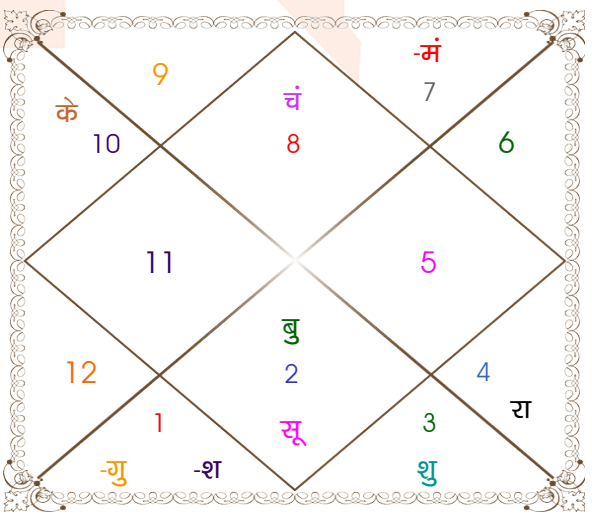

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	कीटक	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	सिंह	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

डतण्जपदामेी का वर्ग श्वान है तथा Ms.yashika का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्जपदामेी और Ms.yashika का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्जपदामेी मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Ms.yashika मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.yashika कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि डतण्जपदामेी कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण्जपदामेी कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्जपदामेी तथा Ms.yashika में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।